इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स का मासिक न्यूजलेटर प्रति माह 40/ रुपए
(आईएसओ 9001 : 2015 द्वारा प्रमाणित)

व्यावसायिक
उत्कृष्टता के
प्रति प्रतिबद्ध

आईआईबीएफ विजन

खंड : 10 अंक : 2 सितंबर, 2017 पृष्ठों की संख्या 15

विजन : बैंकिंग और वित्त के क्षेत्र में सक्षम व्यावसायिक शिक्षित एवं विकसित करना।

मिशन : प्राथमिक रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा, परामर्श और निरंतर आधार वाले व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की प्रक्रिया के माध्यम से सुयोग्य और सक्षम बैंकरों एवं वित्तीय व्यावसायिकों का विकास करना।

इस अंक में

मुख्य घटनाएँ ----------2
बैंकिंग से संबन्धित नीतियाँ ----------4
बैंकिंग जगत की घटनाएँ---------- 5
विनियामकों के कथन ---------- 5
नयी नियुक्तियाँ ---------- 6
उत्पाद एवं गठजोड़ ---------- 7
विदेशी मुद्रा ----------7
शब्दावली ----------8
वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी ---------- 8
संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां ---------- 8
संस्थान समाचार ---------- 9
नयी पहलकदमी ----------12
बाजार की खबरें ----------13

इस प्रकाशन में समाविष्ट सूचना / समाचार की मदें सार्वजनिक उपयोग अथवा उपभोग हेतु विविध बाह्य स्रोतों/ मीडिया में प्रकाशित हो चुकी/चुके हैं और अब वे केवल सदस्यों एवं अभिदाताओं के लिए प्रकाशित की/ किए जा रही / रहे हैं। उक्त सूचना/समाचार की मदों में व्यक्त किए गए विचार अथवा वर्णित/उल्लिखित घटनाएँ संबन्धित स्रोत द्वारा यथा-अनुभूत हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स समाचार मदों/घटनाओं अथवा जिस किसी भी प्रकार की सच्चाई अथवा यथार्थता अथवा अन्यथा के लिए किसी भी प्रकार से न तो उत्तरदाई है, न ही कोई उत्तरदायित्व स्वीकार करता है।

मुख्य घटनाएँ

तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति 2017-18 की मुख्य विशेषताएँ

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा 2 अगस्त, 2017 को की गई। उक्त मौद्रिक नीति की मुख्य विशेषताएँ निम्नानुसार थीं :

- मुख्य नीतिगत दर 0.25% घटाकर 6.25% के स्थान पर 6% कर दी गई।
- प्रति पुनर्खरीद दर 0.25% घटाकर 6% के स्थान पर 5.75% कर दी गई।
- सीमांत स्थायी सुविधा (MSF) दर और बैंक दर 6.25% निर्धारित की गई।

भारतीय रिजर्व बैंक ने त्रिपक्षीय पुनर्खरीद संविदाओं के लिए नियम जारी किए

वृद्धि को समर्थन प्रदान करने और कारपोरेट बॉण्ड पुनर्खरीद बाजार मे बेहतर चलनिधि की व्यवस्था करने तथा सरकारी प्रतिभूति पुनर्खरीद के लिए एक विकल्प उपलब्ध कराने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने त्रिपक्षीय पुनर्खरीद संविदाओं के लिए मानदंड जारी किए हैं। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक, मान्यताप्राप्त शेयर बाजार और शेयर बाज़ारों के समाशोधन गृह त्रिपक्षीय एजेंट बनने के पात्र हैं। त्रिपक्षीय पुनर्खरीदों का क्रय-विक्रय इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्मों सहित काउंटर पर अथवा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमत किसी भी क्रय-विक्रय प्रक्रिया का उपयोग करते हुए किया जा सकता है। सभी क्रय-विक्रयों की सार्वजनिक प्रसारण के लिए क्रय-विक्रय होने के पंद्रह मिनट के भीतर भारतीय समाशोधन गृह, शेयर बाजार अथवा प्राधिकृत रिपोर्टिंग प्लेटफार्म को रिपोर्ट की जानी होगी।

भारतीय रिजर्व बैंक ने 200 रुपए के नोट जारी किए

भारतीय रिजर्व बैंक ने सामान्य व्यक्ति के लिए कमतर मूल्यवर्ग में लेनदेन करना आसान बनाने तथा प्रणाली में अधिकाधिक कुशलता लाने के लिए 200 रुपए के नोटों की शुरुआत की है। महात्मा गांधी (नयी) शृंखला में 200 रुपए के मूल्यवर्ग वाले बैंकनोटों पर भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ऊर्जित आर पटेल के हस्ताक्षर हैं। विषय-वस्तु आधारित करेंसी नोटों के संबंध में नयी नीति के अनुसार 200 रुपए के बिल पर भारत की सांस्कृतिक विरासत को वर्णित करने के लिए सांची स्तूप का मूल भाव चित्रित है। उक्त नोट का बुनियादी रंग चटक पीला है। 66 मिलीमीटर x 146 मिलीमीटर के माप वाले इस बैंकनोट पर रंगीन रुपए के प्रतीक के साथ मूल्यवर्ग से संबंधित अंक 200 मुद्रित होगा, बैंकनोट के उपरि- भाग (सामने वाले) के ठीक दायीं ओर का रंग बदल कर हरे के स्थान पर नीला हो जाएगा। उक्त नोट के पिछले भाग पर नारे के साथ स्वच्छ भारत का प्रतीक होगा। नयी करेंसी के मूल्यवर्ग और डिजाइन की शुरुआत विविध कारकों यथा सामान्य व्यक्ति को लेनदेन करने में सहूलियत, गंदे नोटों के प्रतिस्थापन, मुद्रास्फीति और जालसाजी का मुक़ाबला करने की आवश्यकता को ध्यान में रख कर की गई है।

चलनिधि व्याप्ति अनुपात ने बैंकों को मांग मुद्रा बाजार में कार्यकलापों के प्रति सजग किया

अपनी वार्षिक रिपोर्ट में भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि चलनिधि व्याप्ति अनुपात (LCR) की शुरुआत ने चलनिधि व्याप्ति अनुपात के पश्चात वाली प्रणाली में मांग मुद्रा बाजार में बैंकों के कार्यकलापों में सजगता ला दी है। मांग मुद्रा बाजार मार्ग के तहत उधार ली गई कोई रकम अगले 30 दिनों में कुल निवल नकदी बहिर्वाहों के अधीन स्वयमेव परिकलित (अनुपात में हर) हो जाती है। फलत: चलनिधि व्याप्ति अनुपात आवश्यकता जितनी अधिक होती है बैंकों के लिए दैनिक आधार पर चलनिधि व्याप्ति अनुपात की आवश्यकता का प्रबंधन करना उतना ही कठिन हो जाता है। 2015 में जब चलनिधि व्याप्ति अनुपात की शुरुआत की गई थी उस समय बैंकों को चलनिधि व्याप्ति अनुपात में प्रत्येक वर्ष 10% की वृद्धि होने पर जब तक वह 2019 में बढ़ कर 100% नहीं हो जाती, 60% की दर से चलनिधि व्याप्ति अनुपात बनाए रखना पड़ता था।

बैंकिंग से संबन्धित नीतियाँ

4

बैंक विदेशों में रखी गई आरक्षित निधियों को स्तर 1 वाली आस्तियों में शामिल कर सकते हैं

भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय बैंकों को विदेशी केंद्रीय बैंकों के पास रखी हुई आरक्षित निधियों को अपनी स्तर

1 वाली आस्तियों मेँ शामिल करने की अनुमति दे दी है। यह समावेश तब किया जा सकता है जब आरक्षित निधियाँ ऐसे स्वदेश जिसमें विदेशी सावरेन को किसी अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी द्वारा 0% जोखिम-भार प्रदान किया गया हो, मेँ आरक्षित निधि की आवश्यकता से अधिक हों। विदेशी सावरेन को अंतराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी द्वारा शून्येतर रेटिंग प्राप्त होने, किन्तु उसके पास बासेल II ढांचे के अधीन राष्ट्रीय विवेक पर 0% की जोखिम-भार रेटिंग मौजूद होने पर केंद्रीय बैंकों के पास मौजूद आरक्षित निधि की आवश्यकता से अधिक आरक्षित निधियाँ स्तर 1 वाली आस्तियों मनी जाने की पात्र केवल उसी सीमा तक होंगी जिस सीमा तक ये शेषराशियां उस विशिष्ट मुद्रा में बैंक के दबावग्रस्त निवल नकदी बहिर्वाहों को रक्षित करती हों।

भारतीय रिजर्व बैंक ने वाणिज्यिक पत्र जारी किए जाने के संबंध में रेटिंग अपेक्षाएँ शिथिल कीं

भारतीय रिजर्व बैंक ने 1 अक्तूबर, 2017 से प्रवर्तन के न्यूनतम आकार को पूर्ववर्ती 10 लाख रुपए से शिथिल करते हुए 5 लाख रुपए करके वाणिज्यिक पत्र जारी किए जाने के संबंध में दो प्रकार की रेटिंग करवाना अनिवार्य कर दिया है। ऐसे पात्र जारीकर्ता, जिनका कुल वाणिज्यिक पत्र प्रवर्तन एक कैलेंडर वर्ष के दौरान 1,000 करोड़ रुपए या उससे अधिक है, को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास पंजीकृत कम से कम दो साख श्रेणी निर्धारण एजेंसियों से साख श्रेणी निर्धारण प्राप्त करना होगा तथा उन दो श्रेणी निर्धारणों में से कमतर को अपनाना होगा।

बैंकिंग जगत की घटनाएँ

बैंकों को स्वर्ण आयात पर 3% के एकीकृत माल एवं सेवा कर का भुगतान करना होगा

सोने और बहुमूल्य धातुओं का आयात करने वाले बैंकों को माल एवं सेवा कर के अधीन 3% कर का

भुगतान करना होगा जिसका निविष्टि (input) कर ऋण के रूप में दावा किया जा सकता है। इसके पूर्व बैंक बहुमूल्य धातुओं के आयात पर किसी प्रकार के मूली वर्धित (VAT) का भुगतान नहीं करते थे, वे केवल सीमा शुल्क का भुगतान किया करते थे। माल एवं सेवा कर प्रणाली के तहत बहुमूल्य धातुओं के सभी आयातों पर मूल सीमा शुल्क के अतिरिक्त 3% का माल एवं सेवा शुल्क देय होगा।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के विलयन को भारतीय प्रतियोगिता आयोग से राहत मिली

सरकार द्वारा आदिष्ट क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के विलयन को अब भारतीय प्रतियोगिता आयोग (CCI) से अनुमोदन प्राप्त करने से छूट मिल गई है- जो एक ऐसी मुहिम है जिसके परिणामस्वरूप इस प्रकार के लेनदेनों को शीघ्र बंद किया जा सकेगा। भारतीय प्रतियोगिता आयोग सभी क्षेत्रों मेँ अनुचित व्यावसायिक प्रथाओं पर नजर रखता है। एक निश्चित सीमा से अधिक विलयन एवं अधिग्रहण के लिए भारतीय प्रतियोगिता आयोग की स्वीकृति अनिवार्य रूप से आवश्यक होती है।

विनियामकों के कथन

स्टाफ को भारी प्रोत्साहन से अप-बिक्री को बढ़ावा मिलता है

भारतीय रिजर्व बैंक के उप गवर्नर श्री एस॰ एस॰ मूंदड़ा ने कर्मचारियों के लिए निर्धारित चुनौतीपूर्ण लक्ष्यों, प्रोत्साहन सम्बद्ध कोटों, प्रशिक्षण के अभाव तथा अग्रिम पंक्ति (फ्रंट लाइन) कर्मचारियों त्वरित आवर्तन को ऐसे प्रमुख कारणों के रूप मेँ जिम्मेदार ठहराया है जिनके फलस्वरूप उत्पादों की अपबिक्री होती है। यह कहते हुये कि बैक एवं फ्रंट आफ़िसों के बीच समन्वय का अभाव ग्राहक संरक्षण के उपायों को अनुचित रूप से प्रभावित करता है, श्री मूंदड़ा ने ग्राहक परिवादों से निपटने के लिए बैंकों से अद्यतन विश्लेषणात्मक साधन परिनियोजित करने का आह्वान किया है। उन्होंने मत व्यक्त किया है कि प्रतियोगिता बढ़ाने और ग्राहक सेवा मेँ सुधार लाने के लिए बैंकों को खाता संख्या की वहनीयता कार्यान्वित करन चाहिए जिसके द्वारा कोई ग्राहक किसी अन्य बैंक से बैंकिंग व्यवहार करने के बावजूद अपनी खाता संख्या को पूर्ववत बनाए रख सकता है। श्री मूंदडा ने बैंकिंग संपर्कियों (BCs) पर भी ध्यान आकृष्ट किया जिन्हें उत्पादों की अप-बिक्री को रोकने के लिए एहतियात बरतनी चाहिए।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए अशोध्य ऋणों मेँ कमी लाना आवश्यक; उन्हें और पूंजी की जरूरत पड़ेगी

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर डा॰ ऊर्जित पटेल ने बैंकों से उन दबावग्रस्त चालू आस्तियों के निवारण हेतु हेयरकट करने के लिए कहा है, जिनके लिए उन्हें अधिक पूंजीकरण की आवश्यकता होगी। सभी निवारण उपायों की सफलता और विश्वसनीयता लागतों को अवशोषित करने हेतु सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के तुलनपत्रों

की शक्ति पर महत्वपूर्ण रूप से अवलंबित होगी।

नयी नियुक्तियाँ

नाम	पदनाम/संगठन
श्री मोहम्मद मुस्तफा	भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक में अध्यक्ष एवं प्रबंध प्रबंध निदेशक में नियुक्त
श्री अजय विपिन नानावटी	सिंडीकेट बैंक के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त
द। नचिकेत मोर	भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्वी स्थानीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त

उत्पाद एवं गठजोड़

संगठन	जिसके साथ गठजोड़ हुआ वह संगठन	उद्देश्य
एअरटेल भुगतान बैंक	हिंदुस्तान पेट्रोलियम निगम लिमिटेड)H P C L(	बैंक के ग्राहकों को नए खाते खोलने तथा हिंदुस्तान पेट्रो निगम के 14,000 ईंधन केन्द्रों में नकदी आहरण में बनाना।

विदेशी मुद्रा

विदेशी मुद्रा की प्रारक्षित निधियाँ

मद	25 अगस्त, 2017 के दिन बिलियन रुपए	25 अगस्त, 2017 के दिन मिलियन अमरीकी डालर

कुल प्रारक्षित निधियाँ	25,274.3	3,94,550.0
(क) विदेशी मुद्रा आस्तियां	23,754.7	3,70,833.4
(ख) सोना	1,277.9	19,943.6
(ग) विशेष आहरण अधिकार	96.1	1,499.8
(घ) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में प्रारक्षित निधि की स्थिति	145.6	2,273.2

सितंबर, 2017 माह के लिए लागू अनिवासी विदेशी मुद्रा (बैंक) की न्यूनतम दरें

विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमाराशियों की आधार दरें

मुद्रा	1 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	5 वर्ष
अमरीकी डालर	1.43900	1.55700	1.62200	1.70000	1.79000
जीबीपी	0.38640	0.5515	0.6273	0.7125	0.7897
यूरो	-0.25170	-0.182	-0.083	0.040	0.170
जापानी येन	0.01880	0.031	0.035	0.053	0.073
कनाडाई डालर	1.63000	1.593	1.686	1.770	1.842
आस्ट्रेलियाई डालर	1.83000	1.970	2.110	2.380	2.490
स्विस फ्रैंक	-0.61750	-0.570	-0.453	-0.366	-0.270
डैनिश क्रोन	-0.10550	0.0206	0.0900	0.2290	0.3545
न्यूजीलैंड डालर	2.03220	2.200	2.375	2.534	2.675
स्वीडिश क्रोन	-0.40200	-0.207	-0.003	0.202	0.402
सिंगापुर डालर	1. 15000	1.330	1.485	1.630	1.753
हांगकांग डालर	1.02000	1.240	1.485	1.630	1.753
म्यामार	3.52000	3.580	3.650	3.700	3.730

शब्दावली

त्रिपक्षीय पुनर्खरीद (रेपों) संविदाएं

त्रिपक्षीय पुनर्खरीद एक ऐसी संविदा होती है जिसमें अन्य पक्ष का एजेंट कही जाने वाली कोई अन्य संस्था/कंपनी (उधारकर्ता और ऋणदाता को छोडकर) दोनों पक्षों के बीच एक मध्यवर्ती के

रूप में कार्य करती है। वे लेनदेन के जीवनकाल के दौरान संपार्श्विक के चयन, भुगतान एवं निपटान, अभिरक्षा और प्रबंधन जैसे कार्यकलाप करते हैं। नए नियमों के अनुसार किसी संस्था/कंपनी के लिए 25 करोड़ रुपए की न्यूनतम इक्विटी रखने तथा अन्य पक्ष के एजेंट के रूप में कार्य करने हेतु भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी।

वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी

आय की तुलना में लागत अनुपात (कुशलता अनुपात)

आय की तुलना में लागत अनुपात उस सीमा का निरूपण करता है जिस तक किसी बैंक के गैर-ब्याजगत खर्च निवल कुल आय (कुल आय – ब्याजगत खर्च) पर प्रभार बनते हैं। यह अनुपात जितना कम होता है बैंक उतना ही अधिक कार्यकुशल होता है। इसकी गणना गैर-ब्याजगत खर्च/निवल कुल आय * 100 के रूप में की जाती है।

संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां

सितंबर/अक्तूबर, 2017 माह के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम	तिथि	स्थान
1	वित्तीय सेवाओं के विपणन की रणनीति विकसित करना	11 से 13 सितंबर, 2017	मुंबई
2	व्यापार वित्त	14 से 16 सितंबर, 2017	चेन्नै
3	प्रमाणित ऋण अधिकारी	20 से 24 सितंबर, 2017	एर्णाकुलम
4	पहली बार शाखा प्रबन्धक	09 से 14 अक्तूबर, 2017	मुंबई
5	अपने ग्राहक को जानिए/धन-शोधन निवारण/वित्तीय आतंकवाद का मुक़ाबला	25 से 27 अक्तूबर, 2017	मुंबई
6	आवास वित्त	23 से 25 अक्तूबर, 2017	चेन्नै
7	डिजिटल बैंकिंग	4 से 6 अक्तूबर, 2017	कोलकाता
8	खुदरा ऋण	23 से 26 अक्तूबर, 2017	दिल्ली

संस्थान समाचार

बैंकों में क्षमता निर्माण – एक और पाठ्यक्रम बढ़ाया गया

भारतीय रिजर्व बैंक ने दिनांक 11 अगस्त, 2016 की अपनी अधिसूचना के तहत यह अधिदिष्ट किया है कि प्रत्येक बैंक के पास परिचालन के प्रमुख क्षेत्रों में यथोचित योग्यता/प्रमाणन वाले कर्मचारियों को अभिनियोजित करने के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित एक नीति होनी चाहिए। प्रारम्भ में उन्होंने निम्नलिखित क्षेत्रों की पहचान

की है :

1॰ खजाना प्रबंधन : व्यापारी, मिड कार्यालय परिचालन

2. जोखिम प्रबंधन : ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, परिचालन जोखिम, उद्यम-वार जोखिम, सूचना सुरक्षा, चलनिधि जोखिम

3॰ लेखांकन : वित्तीय परिणामों को तैयार करना, लेखा-परीक्षा कार्य

4॰ ऋण प्रबंधन : ऋण मूल्यांकन, श्रेणी-निर्धारण, निगरानी, ऋण संचालन

तत्पश्चात भारतीय रिजर्व बैंक के निदेश पर भारतीय बैंक संघ ने ऐसी उपयुक्त संस्थाओं और पाठ्यक्रमों की पहचान करने के लिए जो आवश्यक प्रमाणन प्रदान कर सकें एक विशेषज्ञ समूह का गठन किया था। उक्त समूह, जिसने अपनी रिपोर्ट मार्च, 2017 में प्रस्तुत की, की रिपोर्ट पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विचार किया गया और भारतीय रिजर्व बैंक की सलाह के आधार पर भारतीय बैंक संघ ने दिनांक 26 अप्रैल, 2017 के अपने पत्र के अधीन सदस्य बैंकों को उन संस्थाओं के नाम सूचित किए थे जो केंद्रीय बैंक द्वारा इसके ऊपर वर्णित क्षेत्रों में प्रमाणन प्रदान करने की पात्र हैं।

इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स उनमें से एक तथा एकमात्र ऐसी संस्था है जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अभिज्ञात चार में से तीन क्षेत्रों में प्रमाणन प्रदान करता है।

आपके तात्कालिक अवलोकन के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विचार किए गए तथा भारतीय बैंक संघ द्वारा बैंकों को सूचित किए गए इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले पाठ्यक्रम इसके नीचे सारणीबद्ध किए गए हैं :

क्रम संख्या	वे क्षेत्र जिनमें भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रमाणन अभिज्ञात किया गया है	प्रमाणन प्रदान करने हेतु भारतीय रिजर्व बैंक /भारतीय बैंक संघ द्वारा अभिज्ञात आईआई बीएफ द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले पाठ्यक्रम

1	खजाना परिचालन – व्यापारी, मिड आफिस परिचालन	प्रमाणित खजाना व्यापारी (मिश्रित पाठ्यक्रम – आनलाइन परीक्षा एवं प्रशिक्षण)
2	जोखिम प्रबंधन – ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, परिचालन जोखिम, उद्यम-वार जोखिम, सूचना सुरक्षा, चलनिधि जोखिम	वित्तीय सेवाओं में जोखिम- चार्टर्ड इंस्टीट्यूट फार सिक्योरिटीज एण्ड इनवेस्टमेंट (CISI), लंदन के सहयोग से
3	ऋण प्रबंधन – ऋण मूल्यांकन, श्रेणी-निर्धारण, निगरानी, ऋण संचालन	प्रमाणित ऋण अधिकारी (मिश्रित पाठ्यक्रम – आनलाइन परीक्षा एवं प्रशिक्षण)
4	लेखांकन : वित्तीय परिणामों को	इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स एक

	तैयार करना, लेखा-परीक्षा कार्य	पाठ्यक्रम शीघ्र ही आरंभ करेगा
5	विदेशी मुद्रा	भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ के सहयोग से विदेशी मुद्रा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है।

संस्थान द्वारा उपर्युक्त विषयों के लिए परीक्षा सामान्यतया छः माह में एक बार आनलाइन मोड के जरिये देशभर में स्थित 130 से अधिक केन्द्रों में आयोजित की जाती है। हालांकि, बैंकों एवं अभ्यर्थियों के लाभार्थ इन तीन पाठ्यक्रमों के लिए इसके नीचे दिये गए कार्यक्रम के अनुसार एक अतिरिक्त परीक्षा का आयोजन किया जाएगा :

परीक्षा	परीक्षा की तिथि	पंजीकरण के लिए खुली अवधि
प्रमाणित खजाना व्यापारी और प्रमाणित ऋण अधिकारी	29-10-2017 (रविवार)	15-08-2017 से 14-09-2017 तक

8वां डा. आर. के. तलवार स्मारक व्याख्यान

संस्थान द्वारा 8वें डा॰ आर॰ के॰ तलवार स्मारक व्याख्यान का आयोजन 7 सितंबर, 2017 को होटल ट्राइडेंट, नरीमन प्वाइंट, मुंबई में किया गया। इस बार यह व्याख्यान भारतीय रिजर्व बैंक के उप गवर्नर डा॰ विरल आचार्य द्वारा "अनफिनिष्ड एजेंडा : रेस्टोरिंग पब्लिक सेक्टर बैंक हेल्थ इन इंडिया" पर दिया गया। उक्त व्याख्यान में अनेक वित्त व्यावसायिक उपस्थित रहे।

मानव संसाधन / प्रशिक्षण प्रमुख सम्मेलन 2017

संस्थान ने राष्ट्रीय बैंक प्रबंधन संस्थान (NIBM) पुणे और बैंकिंग प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुसंधान संस्थान (IDRBT) हैदराबाद के सहयोग से 7 सितंबर, 2017 को होटल ट्राइडेंट, नरीमन प्वाइंट, मुंबई में मानव संसाधन / प्रशिक्षण प्रमुख सम्मेलन का आयोजन किया। सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के विभिन्न बैंकों तथा सहकारी बैंकों के महा प्रबन्धकों और मानव संसाधन प्रमुखों / प्रशिक्षण विभागों के प्रमुखों ने इस सम्मेलन में भाग लिया।

चार्टर्ड बैंकर इंस्टीट्यूट, एडिनबर्ग, यू॰ के॰ के साथ पारस्परिक मान्यता करार

संस्थान को चार्टर्ड बैंकर इंस्टीट्यूट, एडिनबर्ग, यू॰ के॰ के साथ पारस्परिक मान्यता करार हस्ताक्षरित होने की घोषणा करते हुये प्रसन्नता होती है। इस करार के अधीन भारत स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकर्स के प्रमाणित सहयोगी (CAIIB) अपनी अर्हताओं को चार्टर्ड बैंकर इंस्टीट्यूट द्वारा मान्यता दिलवाएँगे तथा वे संस्थान के व्यावसायिकता, आचारशास्त्र एवं विनियम माड्यूल का अध्ययन करके और परावर्तक दायित्व को सफलतापूर्वक पूरा करके चार्टर्ड बैंकर बनने में॑ समर्थ होंगे।

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के साथ समझौता ज्ञापन

संस्थान ने सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्यमों के लिए प्रमाणित ऋण परामर्शी (CCC) कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए 11 जुलाई, 2017 को भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) के साथ एक भागीदारी करार किया। प्रमाणित ऋण परामर्शी बनने के इच्छुक पात्र अभ्यर्थियों को इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स द्वारा संचालित सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्यमों पर एक परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। उक्त परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर लेने पर तथा उसके बाद भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक द्वारा संचालित समुचित सावधानी जांच पूरी कर लेने के बाद अभ्यर्थी को प्रमाणित ऋण परामर्शी के रूप में॑ एक प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

आगामी अंकों के लिए बैंक क्वेस्ट की विषय-वस्तुएं

बैंक क्वेस्ट के आगामी अंकों के लिए निर्धारित विषय-वस्तुयें॑ निम्नानुसार हैं :

विमुद्रीकरण के उपरांत बैंकों पर प्रभाव/ उनके लिए चुनौतियाँ– जुलाई – सितंबर, 2017

12

सूक्ष्म अनुसंधान आलेख- 2017: अक्तूबर – दिसंबर, 2017

परीक्षाओं के लिए दिशानिर्देशों /महत्वपूर्ण घटनाओं की निर्धारित तिथि

संस्थान में॑ इस बात की जांच करने के उद्देश्य से कि अभ्यर्थी अपने –आपको वर्तमान घटनाओं से अवगत रखते हैं या नहीं प्रत्येक परीक्षा में॑ कुछ प्रश्न हाल की घटनाओं/ विनियामक/कों द्वारा जारी दिशानिर्देशों के बारे में॑ पूछे जाने की परंपरा है। हालांकि, घटनाओं/दिशानिर्देशों में॑ प्रश्नपत्र तैयार किए जाने की तिथि से और वास्तविक परीक्षा तिथि के बीच की अवधि में॑ कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। इन मुद्दों का प्रभावी रीति से निराकरण करने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि :

(i) संस्थान द्वारा फरवरी, 2017 से जुलाई, 2017 तक की अवधि के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्रों में समावेश के लिए विनियामक/कों द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिर्देशों और बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में 31 दिसंबर, 2016 तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

(ii) संस्थान द्वारा अगस्त, 2017 से जनवरी, 2018 तक की अवधि के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्रों में समावेश के लिए विनियामक/कों द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिर्देशों और बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में 30 जून, 2017 तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

नई पहलकदमी

सदस्यों से अनुरोध है कि वे संस्थान के पास मौजूद उनके ई-मेल पते अद्यतन करा लें तथा वार्षिक रिपोर्ट ई-मेल के जरिये प्राप्त करने हेतु अपनी सहमति भेज दे।

आईआईबीएफ विजन के स्वामित्व और अन्य विवरणों से संबन्धित वर्णन
इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स का जर्नल

1॰ प्रकाशन स्थल	: मुंबई 13
2. प्रकाशन की आवधिकता	: मासिक
3. प्रकाशक का नाम	: डा॰ जिबेन्दु नारायण मिश्र
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1, किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070
4. संपाद्क का नाम	: डा॰ जिबेन्दु नारायण मिश्र
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1, किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070

5 प्रिन्टिंग प्रेस का नाम : आनलुकर प्रेस, 16 सासून डाक, कोलाबा,
मुंबई- 400 005
6. स्वामियों के नाम एवं पता : इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1,
किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070

मैं, डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र, एतदद्वारा यह घोषणा करता हूं कि ऊपर दिये गए विवरण मेरी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य हैं।

31.03.2017 डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र
प्रकाशक के हस्ताक्षर

समाचार पंजीयक के पास आरएनआई संख्या 6928/1998 के अधीन पंजीकृत

बाजार की ख़बरें

भारित औसत मांग दरें

6.2
6.

14

5.8
5.6
5.4
5.2
5
4.8
मार्च, 2017, अप्रैल, 2017, मई, 2017, जून, 2017, जुलाई, 2017, अगस्त, 2017
स्रोत : भारतीय समाशोधन निगम न्यूजलेटर, अगस्त, 2017

भारतीय रिजर्व बैंक की संदर्भ दर

90

80
70
60
50
अप्रैल, 2017, मई, 2017, जून, 2017, जुलाई, 2017, अगस्त, 2017
स्रोत : भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)

खाद्येतर ऋण वृद्धि %

8
6
4
2
0
मार्च, 2017, अप्रैल, 2017, मई, 2017, जून, 2017, जुलाई, 2017
स्रोत : मंथली रिव्यू आफ इकानामी, भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, अगस्त, 2017

बंबई शेयर बाजार सूचकांक

33000

15

32000
31000
30000
29000
28000
27000
26000
अप्रैल, 2017, मई, 2017, जून, 2017, जुलाई, 2017, अगस्त, 2017
स्रोत : बंबई शेयर बाजार (BSE)

समग्र जमा वृद्धि %

11
10.5

स्रोत : मंथली रिव्यू आफ इकानामी, भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, अगस्त, 2017

डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र द्वारा मुद्रित, डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र द्वारा इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स की ओर से प्रकाशित तथा आनलुकर प्रेस, 16 सासुन डाक, कोलाबा, मुंबई- 400 018 में मुद्रित एवं इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स, कोहिनूर सिटी, कामर्शियल-II, टावर-1, 2री मंजिल, किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम),,मुंबई – 400 070 से प्रकाशित।
संपादक : डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र

इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कामर्शियल-II, टावर-1, 2री मंजिल,
किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम), ,मुंबई – 400 070
टेलीफोन : 91-22-2503 9604/ 9607 फैक्स : 91-22-2503 7332
तार : INSTIEXAM ई-मेल : admin@iibf.org.in.
वेबसाइट : www.iibf.org.in.

आईआईबीएफ विजन सितंबर, 2017